B.A I Hons.
Session-19-22
Paper II (Macro)
Dr Kumari Hansu
H.O.D. ECO
R.N. College
Hajipur

Functions of Commercial Bank

वाणिज्य बैंकों के कार्य :

Introduction - बैंक शब्द इटालियन भाषा Banco से बना और फ्रेंच भाषा 'Banke' से बदलता हुआ अंग्रेजी भाषा में बैंक हो गया। आधुनिक बैंक का प्रारंभ योरप में हुआ और क्रमशः यह पूरे संसार में फैल गया। "बैंक मुद्रा तथा साख का व्यवसाय करने वाली संस्था है" क्राउथर ने कहा कि आधुनिक बैंकों के तीन पूर्वज हैं - (1) व्यापारी, (2) महाजन, तथा सुनार।

Commercial Bank के कार्य :

(1) जमा स्वीकार करना - बैंकों द्वारा जनता से धन मुख्यतः दो प्रकार से किया जाता है — (a) अपना शेयर बेचकर तथा (2) जनता से जमा स्वीकार करके। इसके अलावा अन्य कार्य भी हैं।

बैंक में रकम जमा निम्न प्रकार के होते हैं :
(a) जमा स्वीकार करना (b) ऋण देना। जमा स्वीकार के अंतर्गत :

(1) निश्चित जमा खाता (Fixed Deposit Account) : इस प्रकार के खाते में रकम एक निश्चित अवधि के लिए जमा किया जाता है जो प्रायः 6 माह, एक वर्ष, तीन वर्ष अथवा पाँच वर्ष तक भी हो सकता है। इस जमा पर जमा कर्ता को जमा की रसीद दी जाती है। यदि जमा कर्ता को अपनी रकम की आवश्यकता समय से पूर्व हो जाती है तो कुछ कटौती के बाद बैंक उसे रकम लौटा देती है परन्तु निश्चित अवधि पूरा होने पर बैंक अधिक ब्याज देता है।

(2) चालू जमा खाता (Current Account) : इस प्रकार के खाते में जमा कर्ता दिन जितनी बार चाहे जमा कर सकता है और निकाल सकता है। इसमें जमा राशि प्रायः चेक के द्वारा निकाली जाती है। इस जमा पर बैंक ब्याज नहीं देती परन्तु कुछ बैंक इस जमा पर थोड़ी सी ब्याज देते हैं। इस जमा पर कुछ-कुछ बैंक सेवा व्यय भी वसूल करते हैं।

(3) बचत खाता (Saving Bank Account) : यह खाता छोटे बचत वाले लोगों के लिए अधिक उपयुक्त होते हैं। इस प्रकार के खाते में सप्ताह में कई बार रकम को जमा किया जा सकता है, परन्तु एक बार से अधिक निकाली नहीं जा सकती। इन खातों पर Fixed deposit की तुलना में ब्याज कम मिलती है।

(4) आवर्ती जमा खाता (Recurring Deposit Account) : एक निर्धारित अवधि के लिए जमा कर्ता मासिक आधार पर रकम जमा करता है अवधि पूर्ण होने पर लौटाया जाता है। आवर्ती निधि बैंक द्वारा ... R.D खातों में प्रायः वेतन भोगी लोग जमा करते हैं जो कम कमाने वाले होते हैं।

(5) गृह-बचत खाता (Home Safe Savings Bank Account) :
इस बचत खाते में बैंकों द्वारा लोगों को प्रोत्साहन दिया जाता है

है। ग्राहकों को ब्याज से बचाने के लिए गुल्लक (Safe) दी जाती है जिसमें वे समय-समय पर अपनी बचत डालते रहते हैं। इसकी गुल्लक की चाबी बैंक के पास रहती है। इस बचत में भी अवधि पूर्ण होने पर ही रकम निकाली जाती है अवधि के पूर्ण होने के पहले रकम निकालने पर ब्याज राशि में कटौती की जाती है।

(6) अनिश्चितकालीन जमा (Indefinite Period Deposit Account): इस खाते में जमा रकम पर ब्याज पर काफी ऊँची होती, परन्तु इस खाते का ~~चलन~~ हमारे देश में प्रचलित नहीं है।

(2) ऋण देना (Advance of Loans): व्यावसायिक बैंक का दूसरा कार्य ऋण देना है। बैंक में जमाकर्ताओं का रकम रखा नहीं रहता है कुछ नकद कोष रखने के पश्चात् बैंक बाकी रकम ग्राहकों अर्थात ऋण लेने वालों को देता है। बैंक जमा पर दी जाने वाली ब्याज की अपेक्षा ऋणों पर अधिक ब्याज लेता है।

इसके अंतर्गत निम्न प्रकार से ऋण दिए जाते हैं:

(a) ऋण तथा अग्रिम धन (Loan and Advances): ऋण लेने वाला ऋणी बैंक के द्वारा जो सम्पूर्ण राशि ऋण के रूप में प्राप्त करता है, उसका कुछ अंश लौटा देने पर ऋणी पुनः उसी ऋण के अंतर्गत उसे प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होता बैंक उसे अलग से दूसरा ऋण दे सकता है इस प्रकार का ऋण प्रायः सर्वोच्च जमानत पर आधारित होता है तथा इसकी अवधि निश्चित होती है।

(b) नकद साख (Cash Credit): इसके अंतर्गत बैंक के द्वारा एक निश्चित सीमा तक ऋण प्राप्त करने का अधिकार दे देता है इस सीमा के अंतर्गत ऋणी आवश्यकतानुसार बैंक से रकम लेता रहता है। ब्याज भी उसी रकम पर वसूल किया जाता है, जो वास्तव में ऋणी के पास रहता है लेकिन कभी-कभी बैंकों के द्वारा नकद साख की कुल रकम पर ऋणी से ब्याज लिया जाता है।

(c) अधिविकर्ष (Overdraft): इसके अंतर्गत बैंक वैसे खाताधारियों को ऋण प्रदान करती है जिसका बैंक में चालू खाता अथवा बचत खाता रहता है। इसमें बैंक द्वारा समझौते के अनुसार खाते में रकम से ज्यादा राशि निकालने की अनुमति दी जाती है।

(D) विनिमय-बिलों का भुनाना (Discounting of Bills): अवधि पूर्ण होने से पूर्व यदि बिल का भुगतान करने वाला भुगतान चाहता है, तो वह बैंक से बिल भुना लेता है भुगतान के बाकी रकम की ब्याज काटकर बाकी बैंक तत्काल भुगतान कर देता है।

(3) अभिकर्ता सम्बन्धी कार्य (Agency Functions): बैंक अपने ~~ग्राहकों के लिए~~ ग्राहकों के लिए एजेंट का भी कार्य करते हैं उनके प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:

(a) ग्राहकों द्वारा भेजे गए चैक, विनिमय-बिल आदि साख पत्रों का भुगतान एकत्र करने का कार्य बैंक करते हैं।

(b) बैंक अपने ग्राहकों द्वारा लिखे गए चैकों का भुगतान करते हैं तथा कभी-कभी ग्राहकों के बिल भी स्वीकार करते हैं, जिसका भुगतान निश्चित तिथि पर कर दिया जाता है।

(c) ग्राहकों के आदेश पर बैंक उनके बीमें के प्रीमियम का ब्याज, चन्दे, मकान का किराया आदि के भुगतान करने का कार्य करते हैं।

(d) अपनी ग्राहकों की ओर से बैंक लाभांशों, ब्याज, किराया की किस्त आदि वसूल भी करते हैं।

(e) बैंक अपने ग्राहकों के लिए सरकारी प्रतिभूतियाँ कंपनियों के शेयर्स तथा ऋण ~~की किस्तें आदि वसूल करते हैं~~ तथा ऋण पत्र आदि के क्रय-विक्रय का कार्य करते हैं।

(f) बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान को रकम भेजने की व्यवस्था की जाती है।

(g) बैंक अपने ग्राहकों की सम्पत्ति के प्रबन्धक, ट्रस्टी अथवा अभिरक्षक का कार्य भी करते हैं।

(h) ग्राहकों के लिए बैंक पासपोर्ट तथा यात्रा सम्बन्धी विदेशी विनिमय एवं अन्य सुविधाओं के लिए भी पत्र व्यवहार करते हैं।

(4) <u>विदेशी विनिमय का क्रय विक्रय</u> (Purchase and Sale <u>Of Foreign Exchange</u>): अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास के लिए बैंक विदेशी विनिमय का क्रय विक्रय करते हैं, यद्यपि यह कार्य विदेशी विनिमय बैंकों का है परन्तु वाणिज्यिक बैंक भी यह कार्य करते हैं।

(5) <u>विविध उपयोगी सेवाएँ</u>: उपरोक्त कार्यों के अलावा वाणिज्य बैंक के निम्नलिखित अन्य सामान्य उपयोगी कार्य भी हैं:

(1) बैंक अपने ग्राहकों को लॉकर की सुविधा देते हैं। ATM Cards

(2) बैंकों द्वारा क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड भी दिया जाता है।

(3) बैंकों द्वारा ग्राहक की आर्थिक स्थिति की सूचना अन्य व्यापारियों को दिया जाता है और पूछे जाने पर अन्य व्यापारियों की आर्थिक स्थिति की जाँच-पड़ताल करके अपने ग्राहकों को सूचित किया जाता है।

(4) <u>आँकड़े संग्रह</u>: कुछ बैंकों के द्वारा देश के व्यापार तथा उद्योग सम्बन्धी आँकड़े भी संग्रह किया जाता है।

(5) सरकार द्वारा जारी किये गये ऋणों की बिक्री की व्यवस्था बैंकों द्वारा की जाती है।

(6) बाढ़-पीड़ितों का कोष, सुरक्षा कोष आदि राष्ट्रीय चन्दे संग्रह करने का कार्य भी बैंकों द्वारा किया जाता है।

(7) बैंक अपने ग्राहकों को उपभोग की मँहगी वस्तुओं जैसे मोटरकार, स्कूटर, रेफ्रीजरेटर आदि के लिए ऋण उपलब्ध करते हैं।

(8) सलाहकार के रूप में बैंक अपने ग्राहकों को धन का विनियोग करने सम्बन्धी मामलों में सलाह देते हैं।

Scanned with CamScanner

(6) इलेक्ट्रॉनिक आधारित बैंकिंग कारोबार -

इलेक्ट्रॉनिक संचार के उपयोग में वृद्धि तथा कागज आधारित लिखतों के अतिरिक्त अन्य तरीकों के आधार पर निधि अंतरण के कारण इलेक्ट्रॉनिक आधारित बैंकिंग कारोबार में वृद्धि हुई है। कागजी मुद्रा प्रणाली के सम्बन्ध में E-Money को अपनाया जाए।

(7) साख का निर्माण (Credit Creation) :

व्यवसायिक बैंकों के मुख्य कार्यों में एक कार्य है साख का निर्माण करना। व्यवसायिक बैंकों के द्वारा अपनी अंशपूंजी तथा जमा राशि की कुल मात्रा से अधिक ऋण दिए जाते हैं। व्यवसायिक बैंकों का विकास वस्तुतः बैंकों की साख निर्माण के कारण सम्भव हुआ है।